

Syllabus and Course Scheme

Academic year 2017-18



M.A. – Sanskrit

Exam.-2018

UNIVERSITY OF KOTA

**MBS Marg, Swami Vivekanand Nagar,
Kota - 324 005, Rajasthan, India**

Website: uok.ac.in

M.A. SANSKRIT -2018

SCHEME OF EXAMINATION

Each Theory Paper	3 hrs. duration	100 Marks
Dissertation/Thesis/Survey Report/Field work, if any		100 Marks

1. The number of papers and the maximum marks for each paper/practical shall be shown in the syllabus for the subject concerned. It will be necessary for a candidate to pass in the theory part as well as in practical part (wherever prescribed) of a subject/paper separately.

2. A candidate for a pass at each of the Previous and the final Examination shall be required to obtain (i) at least 36% marks in the aggregate of all the papers prescribed for the examination and (ii) atleast 36% marks in practical (s) wherever prescribed at the examination, provided that if a candidate fails to secure atleast 25% marks in each individual paper work, at the examination and also in the dissertation/report/field work. Wherever prescribed, he shall be deemed to have failed at the examination not with standing his having obtained the minimum percentage of marks required in the aggregate for that examination. No division will be awarded the Previous Examination. Division shall be awarded at the end of the Final Examination on the combined marks obtained at the Previous and the Final Examination taken together, as noted below :

First Division 60% of the aggregate marks taken together

Second Division 48% of the Previous and final Examination.

All the rest will be declared to have we passed the examinations.

3. If a candidate clears any Paper (s) Practical(s)/Dissertation prescribed at the Previous and/or final Examination after a continuous period of three years, then for the purpose of working out his division the minimum pass marks only viz. 25% (36% in the case of practical shall be taken in to account in respect of such Paper(s)/ Practical(s) Dissertation are cleared after the expiry of the aforesaid period of three years provided that in case where a candidate requires more than 25% marks in order to reach the minimum aggregate as many mark out of those actually secured by him will be taken into account as would enable him to make up the deficiency in the requisite minimum aggregate..

4. The Thesis/Dissertation/Survey Report/Field Work shall be typed and written and submitted in triplicate so as to reach the office of the Rsigistrar atleast 3 weeks before the commencement of the theory examinations Only such candidates shall be permitted to offer Desiccation/Field Work/ Survey Report/Thesis (if provided in the scheme of examination) in lieu of a paper as have secured atleast 55% marks in the aggregate of all the papers prescribed for the previous examination in the case of annual scheme irrespective of the number of papers in which a candidate actually appeared at the examination.

5. A candidate failing at M.A. Previous examination may be provisionally admitted to the M.A. Final Class, provided that he passes in atleast 50% papers as per Provisions of 0.235 (i)

6. A candidate may be allowed grace marks in only one theory papers up to the extent of 1% of the total marks prescribed for that examination.

N.B. (i) Non-collegiate candidates are not eligible to offer dissertation as per provisions of O.170-A.

पाठ्यक्रम प्रारूप — एम.ए. संस्कृत पूर्वार्द्ध परीक्षा — 2018

- प्रथम प्रश्न पत्र — वैदिक साहित्य
द्वितीय प्रश्न पत्र — ललित साहित्य तथा साहित्य शास्त्र
तृतीय प्रश्न-पत्र — भारतीय दर्शन
चतुर्थ प्रश्न पत्र — भाषा विज्ञान, व्याकरण तथा भारतीय कला का इतिहास

उत्तरार्द्ध परीक्षा — 2018 वर्ग (अ) साहित्य

- प्रथम प्रश्न पत्र — संस्कृत काव्य शास्त्र
द्वितीय प्रश्न पत्र — नाटक एवं नाट्यशास्त्र
तृतीय प्रश्न पत्र — गद्य पद्य एवं चम्पू अथवा भास अथवा कालिदास

अथवा वर्ग (ब) वैदिक साहित्य

- प्रथम प्रश्न पत्र — संहिता पाठ
द्वितीय प्रश्न पत्र — ब्राह्मण, उपनिषद् तथा वैदिक सहायक ग्रन्थ
तृतीय प्रश्न पत्र — वैदिक धर्म का तुलनात्मक विवेचन एवं देवशास्त्र

अथवा वर्ग (स) दर्शन शास्त्र

- प्रथम प्रश्न पत्र — न्याय एवं वैशेषिक दर्शन
द्वितीय प्रश्न पत्र — सांख्य, आगम एवं व्याकरण दर्शन
तृतीय प्रश्न पत्र — वेदान्त एवं मीमांसा दर्शन

अथवा वर्ग (द) इतिहास एवं पुराण

- प्रथम प्रश्न पत्र — इतिहास पुराणों का परिचय तथा इतिहास
द्वितीय प्रश्न पत्र — इतिहास काव्य
तृतीय प्रश्न पत्र — पुराण साहित्य

अथवा वर्ग (इ) व्याकरण शास्त्र

- प्रथम प्रश्न पत्र — वैयाकरण सिद्धान्त कौमुदी
द्वितीय प्रश्न पत्र — प्रक्रिया महाभाष्य
तृतीय प्रश्न पत्र — व्याकरण दर्शन

सभी वर्गों के लिए अनिवार्य —

- चतुर्थ प्रश्न पत्र — निबन्ध, व्याकरण एवं अनुवाद
पंचम प्रश्न पत्र — शास्त्रीय साहित्य, प्राचीन साहित्य एवं शिलालेख,

अथवा

आधुनिक संस्कृत साहित्य

अथवा

लघुशोध प्रबन्ध (नियमित छात्रों के लिए)

एम.ए. संस्कृत (पूर्वाद्ध) – 2018

प्रथम प्रश्न पत्र – वैदिक साहित्य

समय 3 घण्टे

पूर्णांक 100

नोट:- प्रश्न पत्र का निर्माण संस्कृत भाषा में किया जाएगा। 20 प्रतिशत अंक संस्कृत माध्यम से उत्तर प्रस्तुत करने हेतु निर्धारित है। इस प्रश्न पत्र में सम्पूर्ण पाठ्यक्रम को तीन खण्डों में विभाजित किया गया है। जिसका विस्तृत विवरण इस प्रकार है।

खण्ड अ

इस खण्ड में एक अनिवार्य प्रश्न जिसमें प्रत्येक इकाई से 02 लघु प्रश्न लेते हुए कुल 10 प्रश्न होंगे। प्रत्येक लघु प्रश्न का उत्तर लगभग 20 शब्दों में हो।

कुल अंक – 10

खण्ड ब

इस खण्ड में प्रत्येक इकाई से 2 प्रश्न लेते हुए कुल 10 प्रश्न होंगे। प्रत्येक इकाई में से एक प्रश्न का चयन करते हुए कुल 5 प्रश्नों के उत्तर दिये जाने हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 250 शब्दों में हो।

कुल अंक – 50

खण्ड स

इस खण्ड में 12वां प्रश्न अनिवार्य है। यह व्याख्यात्मक प्रश्न से संबद्धित है। छात्रों को प्रश्न संख्या 13, 14, 15 में से कोई एक प्रश्न करना होगा। प्रश्नों में भाग भी हो सकते हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 500 शब्दों में हो।

कुल अंक – 40

इस प्रश्न पत्र का समस्त पाठ्यक्रम निम्न प्रकार से पांच इकाईयों में विभाजित होगा—

प्रथम इकाई – ऋग्वेद

1. प्रथम इकाई – ऋग्वेद

ऋग्वेद – अग्नि (1.12), मरुत् (1.85), रुद्र (2.33) उषस् (4.51) वरुण (7.86) कितव (10.34) वाक् (10.125), प्रजापति (10.121), नासदीय (10.129) विश्वामित्र-नदी संवाद (3.33)

2. द्वितीय इकाई – अथर्ववेद-राष्ट्राभिवर्धनम् (1.29) काल सूक्त (19.53) अथर्ववेद के दो मंत्रों में से किसी एक मंत्र का पद-पाठ एवं किसी एक सूक्त का सार अथवा देवता का स्वरूप संस्कृत में।

3. तृतीय इकाई – कठोपनिषद्

4. चतुर्थ इकाई – निरुक्त – यास्क (प्रथम एवं द्वितीय अध्याय)

5. पंचम इकाई – वेदांगों का सामान्य एवं संक्षिप्त परिचय

नोट :- प्रश्न पत्र बनाते समय प्रत्येक मंत्र का स्वरांकन किया जावे।

विशेष निर्देश

खण्ड – 'ब'

मन्त्रों का पद पाठ, सूक्त का सार, देवता का स्वरूप और कठोपनिषद् के मन्त्र की व्याख्या (संस्कृत माध्यम से), निरुक्त से शब्द-निर्वचन एवं वेदांगों के सामान्य परिचय से सम्बद्ध प्रश्न ही पूछे जायेंगे – प्रथम इकाई में से ऋग्वेद के दो मंत्रों में से किसी एक मंत्र का पदपाठ अथवा किसी एक देवता का स्वरूप लिखना होगा, द्वितीय इकाई में अथर्ववेद के दो मंत्रों में से किसी एक मंत्र की व्याख्या करनी होगी, तृतीय इकाई में से कठोपनिषद् के दो मंत्रों में से किसी एक मंत्र की व्याख्या संस्कृत में करनी होगी, चतुर्थ इकाई निरुक्त के दो गद्यांशों में से किसी एक गद्यांश की व्याख्या संस्कृत में करनी होगी, पंचम इकाई में वेदांगों का सामान्य परिचय से सम्बद्ध एक प्रश्न अथवा दो टिप्पणी पुछी जायेगी।

खण्ड – 'स'

प्रश्न संख्या –12 करना अनिवार्य है। यह व्याख्यात्मक प्रश्न से संबद्धित है। इसका अंक-विभाजन निम्न प्रकार होगा—

1. इकाई प्रथम में 4 मन्त्रों में से 2 मन्त्रों की सप्रसंग व्याख्या। (अंक-5+5)

2. इकाई द्वितीय में 2 मन्त्रों में से 1 मन्त्र की सप्रसंग व्याख्या। (अंक 5)

3. इकाई चतुर्थ में 4 शब्दों में से 2 शब्दों का निर्वचन। (अंक 2½+2½)

परीक्षकों से अपेक्षा की जाती है कि खण्ड-‘स’ की प्रश्न संख्या 13, 14 और 15 के निर्माण के समय यथासम्भव शेष इकाईयों से अंश लेते हुए प्रश्नों की रचना करें। तीनों प्रश्नों के खण्ड किये जा सकते हैं। छात्रों को उक्त तीनों प्रश्नों में से कोई एक प्रश्न करना है।

सहायक पुस्तकें

- | | | |
|-----------------------------|---|--------------------------|
| 1. ऋक् सूक्त— संग्रह | — | डॉ. हरिदत्त शास्त्री |
| 2. ऋग्भाष्य — संग्रह | — | डॉ. देवराज चानना, दिल्ली |
| 3. वैदिक वाङ्मय एक परिशीलन— | — | ब्रजबिहारी चौबे |
| 4. ऋग्वेद भाष्य | — | स्वामी दयानन्द |
| 5. वैदिक स्वर मीमांसा | — | पं. युधिष्ठिर मीमांसक |

- | | | | |
|----|---------------------------|---|---------------------------------------|
| 6. | वैदिक स्वर बोध | — | ब्रज बिहारी चौबे |
| 7. | कठोपनिषद् | — | गीताप्रेस गोरखपुर |
| 8. | निरुक्त | — | आचार्य विश्वेश्वर |
| 9. | वैदिक साहित्य और संस्कृति | — | बलदेव उपाध्याय, शारदा मन्दिर, वाराणसी |

द्वितीय प्रश्न पत्र – ललित साहित्य तथा साहित्यशास्त्र

समय 3 घण्टे

पूर्णांक 100

नोट :- प्रश्न पत्र का निर्माण संस्कृत माध्यम से होगा एवं 20 प्रतिशत अंक संस्कृत माध्यम से उत्तर प्रस्तुत करने हेतु निर्धारित है। इस प्रश्न पत्र में सम्पूर्ण पाठ्यक्रम को तीन खण्डों में विभाजित किया गया है। जिसका विस्तृत विवरण इस प्रकार है।

खण्ड अ

इस खण्ड में प्रत्येक इकाई से 02 लघु प्रश्न लेते हुए कुल 10 प्रश्न होंगे। प्रत्येक लघु प्रश्न का उत्तर लगभग 20 शब्दों में हो।

कुल अंक – 10

खण्ड ब

इस खण्ड में प्रत्येक इकाई से 2 प्रश्न लेते हुए कुल 10 प्रश्न होंगे। प्रत्येक इकाई में से एक प्रश्न का चयन करते हुए कुल 5 प्रश्नों के उत्तर दिये जाने हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 250 शब्दों में हो।

कुल अंक – 50

खण्ड स

प्रश्न संख्या 12वां करना अनिवार्य है। यह हिन्दी अथवा संस्कृत व्याख्यात्मक प्रश्न से संबद्धित है। छात्रों को प्रश्न संख्या 13, 14, 15 में से कोई एक प्रश्न करना होगा। प्रश्नों में भाग भी हो सकते हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 500 शब्दों में हो।

कुल अंक – 40

इस प्रश्न पत्र का समस्त पाठ्यक्रम निम्न प्रकार से पांच इकाईयों में विभाजित होगा—

1. प्रथम इकाई – मेघदूत (कालिदास)
2. द्वितीय इकाई – मुद्राराक्षसम् (विशाखदत्त)
3. तृतीय इकाई – साहित्य दर्पण (आचार्य विश्वनाथ) प्रथम व द्वितीय परिच्छेद –(सम्पूर्ण)
4. चतुर्थ इकाई – साहित्य दर्पण तृतीय परिच्छेद 1-28 कारिका
5. पंचम इकाई – हर्षचरितम् (बाणभट्ट)– प्रथम उच्छ्वास

विशेष निर्देश—

खण्ड— 'ब'

मेघदूत से 2 सूक्तियों की व्याख्या संस्कृत माध्यम से करनी होगी। प्रत्येक व्याख्या 5 अंक की होगी। (प्र.सं. 2 एवं 3 में)। तृतीय एवं चतुर्थ इकाई से प्र. सं. 6,7,8,9 में कारिकांश की व्याख्या अथवा प्रश्न पूछे जायेंगे। एक करिकांश की व्याख्या संस्कृत में करनी होगी। शेष इकाईयों से सामान्य प्रश्न पूछे जायेंगे।

खण्ड—'स'

प्रश्न सं. 12 करना अनिवार्य है। यह व्याख्यात्मक प्रश्न से संबद्धित है। इसका अंक—विभाजन इस प्रकार होगा—

1. द्वितीय इकाई से मुद्राराक्षस से संस्कृत व्याख्या (10 अंक)
2. 2. पंचम इकाई से हर्षचरितम् से हिन्दी अनुवाद (10 अंक)। शेष तीन प्रश्नों 13,14,15 में से कोई एक प्रश्न करना होगा।

सहायक पुस्तकें :

- | | | | |
|-----|---------------------------|---|---------------------------------------|
| 1. | संस्कृत के सन्देश काव्य | — | डॉ. राजकुमार आचार्य |
| 2. | मेघदूत – एक पुरानी कहानी— | — | डॉ. हजारी प्रसाद द्विवेदी |
| 3. | मेघदूत : एक अध्ययन | — | डॉ. वासुदेव शरण अग्रवाल |
| 4. | मेघदूत | — | डॉ. यशवन्त कुमार जोशी |
| 5. | हर्षचरित : एक अध्ययन | — | डॉ. वासुदेव शरण अग्रवाल |
| 6. | प्राचीन साहित्य | — | कवीन्द्र रवीन्द्रनाथ टैगोर |
| 7. | हर्षचरित | — | पी.वी. काणे |
| 8. | हर्षचरित | — | एम.आर. काणे |
| 9. | साहित्य दर्पण | — | आचार्य शालिग्राम शास्त्री (विमल टीका) |
| 10. | मुद्राराक्षसम् | — | व्या. तारिणीश झा |
| 11. | मुद्राराक्षसम् | — | डॉ. यशवन्त कुमार जोशी |

तृतीय प्रश्न पत्र – भारतीय दर्शन

समय 3 घण्टे

पूर्णांक 100

नोटः— प्रश्न पत्र का निर्माण संस्कृत भाषा में किया जाएगा। 20 प्रतिशत अंक संस्कृत माध्यम से उत्तर प्रस्तुत करने हेतु निर्धारित है। इस प्रश्न पत्र में सम्पूर्ण पाठ्यक्रम को तीन खण्डों में विभाजित किया गया है। जिसका विस्तृत विवरण इस प्रकार है।

खण्ड अ

इस खण्ड में प्रत्येक इकाई से 02 लघु प्रश्न लेते हुए कुल 10 प्रश्न होंगे। प्रत्येक लघु प्रश्न का उत्तर लगभग 20 शब्दों में हो।

कुल अंक – 10

खण्ड ब

इस खण्ड में प्रत्येक इकाई से 2 प्रश्न लेते हुए कुल 10 प्रश्न होंगे। प्रत्येक इकाई में से एक प्रश्न का चयन करते हुए कुल 5 प्रश्नों के उत्तर दिये जाने हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 250 शब्दों में हो।

कुल अंक – 50

खण्ड स

प्रश्न संख्या 12वां करना अनिवार्य है। यह व्याख्यात्मक प्रश्न से संबद्धित है। छात्रों को प्रश्न संख्या 13, 14, 15 में से कोई एक प्रश्न करना होगा। प्रश्नों में भाग भी हो सकते हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 500 शब्दों में हो।

कुल अंक – 40

इस प्रश्न पत्र का समस्त पाठ्यक्रम निम्न प्रकार से पांच इकाईयों में विभाजित होगा—

1. **प्रथम इकाई** – तर्क भाषा – (प्रामाण्यवाद पर्यन्त) केशवमिश्र कृत
2. **द्वितीय इकाई** – सांख्यकारिका – ईश्वरकृष्ण कृत
3. **तृतीय इकाई** – वेदान्तसार – सदानन्द कृत
4. **चतुर्थ इकाई** – चार्वाक दर्शन – सर्वदर्शन संग्रह से
5. **पंचम इकाई** – योगसूत्र – (पतंजलि) समाधिपाद एवं साधनपाद

विशेष निर्देश

खण्ड – 'ब'

इकाई द्वितीय-सांख्यकारिका से सम्बद्ध कारिका की व्याख्या संस्कृत माध्यम से पूछी जाएगी।

चतुर्थ इकाई में चार्वाक दर्शन से सम्बद्ध प्रश्न का उत्तर संस्कृत में देना होगा। शेष इकाईयों से सम्बद्ध सामान्य प्रश्न पूछे जाएंगे।

खण्ड – 'स'

प्रश्न सं. 12 करना अनिवार्य है। यह व्याख्यात्मक प्रश्न से संबद्धित है। इसका अंक विभाजन इस प्रकार है—

तर्क भाषा से गद्यांश की व्याख्या – 10 अंक

वेदान्तसार से गद्यांश की व्याख्या – 10 अंक

शेष तीन प्रश्नों में से 13,14,15 में से कोई एक प्रश्न करना होगा।

सहायक ग्रन्थ :

1. भारतीय दर्शन – डॉ. बलदेव उपाध्याय
2. भारतीय दर्शन – दत्ता एवं चटर्जी (हिन्दी एवं अंग्रेजी संस्करण)
3. सांख्यकारिका – डॉ. ब्रजमोहन चतुर्वेदी
4. सांख्यकारिका – डॉ. विमला कर्नाटक
5. सांख्यतत्व कौमुदी – रामशंकर भट्टाचार्य
6. तर्क भाषा – आचार्य विश्वेश्वर,
7. तर्क भाषा – पं. बद्रीनाथशुक्ल।
8. तर्क भाषा – डॉ. श्री निवास शास्त्री
9. तर्क भाषा – मूसलगाँवकर
10. वेदान्तसार – डॉ. सन्तनारायण श्रीवास्तव
11. सर्वदर्शन संग्रह – माधवाचार्य – अभ्यांकर कृत (टीका सहित, पूना)
12. पतंजलि योग सूत्र— चौखम्बा संस्कृत प्रकाशन

चतुर्थ प्रश्न पत्र— भाषा—विज्ञान, व्याकरण तथा शास्त्रीय साहित्य का इतिहास

समय 3 घण्टे

पूर्णांक 100

नोट:— प्रश्न पत्र का निर्माण संस्कृत भाषा में किया जाएगा। 20 प्रतिशत अंक संस्कृत माध्यम से उत्तर प्रस्तुत करने हेतु निर्धारित है। इस प्रश्न पत्र में सम्पूर्ण पाठ्यक्रम को तीन खण्डों में विभाजित किया गया है। जिसका विस्तृत विवरण इस प्रकार है।

खण्ड अ

इस खण्ड में एक अनिवार्य प्रश्न जिसमें प्रत्येक इकाई से 02 लघु प्रश्न लेते हुए कुल 10 प्रश्न होंगे। प्रत्येक लघु प्रश्न का उत्तर लगभग 20 शब्दों में हो।

कुल अंक — 10

खण्ड ब

इस खण्ड में प्रत्येक इकाई से 2 प्रश्न लेते हुए कुल 10 प्रश्न होंगे। प्रत्येक इकाई में से एक प्रश्न का चयन करते हुए कुल 5 प्रश्नों के उत्तर दिये जाने हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 250 शब्दों में हो।

कुल अंक — 50

खण्ड स

प्रश्न संख्या 12वां करना अनिवार्य है। यह व्याख्यात्मक प्रश्न से संबंधित है। छात्रों को प्रश्न संख्या 13, 14, 15 में से कोई एक प्रश्न करना होगा। प्रश्नों में भाग भी हो सकते हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 500 शब्दों में हो।

कुल अंक — 40

इस प्रश्न पत्र का समस्त पाठ्यक्रम निम्न प्रकार से पांच इकाईयों में विभाजित होगा—

1. **प्रथम इकाई** — भाषा विज्ञान
(अ) भाषा की उत्पत्ति तथा विकास
(ब) ध्वनि—विज्ञान, उच्चारण—अवयव, ध्वनि—परिवर्तन के कारण, प्रसिद्ध ध्वनि—नियम
2. **द्वितीय इकाई**
अर्थ विज्ञान — अर्थ परिवर्तन के कारण एवं अर्थ परिवर्तन की दिशाएँ।
भाषाओं का आकृतिमूलक और पारिवारिक वर्गीकरण भारोपीय —परिवार की विशेषताएँ केण्टुम—शतम् वर्ग, भारतीय भाषाओं का अध्ययन, वैदिक संस्कृत, लौकिक संस्कृत, पालि, प्राकृत, अपभ्रंश भाषाएँ।
3. **तृतीय इकाई** —प्रक्रिया भाग—लघु सिद्धान्त कौमुदी (णिजन्त से लकारार्थ तक)
4. **चतुर्थ इकाई**—सिद्धांत कौमुदी—कारक प्रकरण
5. **पंचम इकाई** — शास्त्रीय साहित्य का इतिहास वास्तु, ज्योतिष, गणित, अर्थशास्त्र, आयुर्वेद, अलंकारशास्त्र तथा व्याकरण शास्त्र का संक्षिप्त परिचय।

नोट :- खण्ड ब में भाषा विज्ञान में से प्रश्नों के उत्तर संस्कृत भाषा में देने होंगे।

सहायक ग्रन्थ :

- | | | |
|---|---|--|
| 1. भारत की सांस्कृतिक—साधना | — | डॉ. रामजी उपाध्याय |
| 2. भाषा—विज्ञान | — | भोलानाथ तिवारी |
| 3. संस्कृत—भाषा—विज्ञान | — | डॉ. राजकिशोर सिंह |
| 4. भाषा का इतिहास | — | श्री भगवद्दत्त |
| 5. संस्कृत साहित्य का इतिहास | — | बलदेव उपाध्याय |
| 6. एम.ए. संस्कृत—व्याकरण | — | डॉ. श्री निवास शास्त्री |
| 7. संस्कृत —व्याकरण | — | डॉ. बाबूराम त्रिपाठी, |
| 8. कारक दीपिका | — | श्री मोहन वल्लभ पन्त, |
| 9. प्रौढ़ रचनानुवाद कौमुदी | — | डॉ. कपिलदेव द्विवेदी। |
| 10. व्याकरण शास्त्र का इतिहास | — | युधिष्ठिर मीमांसक |
| 11. आयुर्वेद का वृहद् इतिहास | — | अत्रिदेव विद्यालंकार |
| 12. आयुर्वेद का वैज्ञानिक इतिहास | — | प्रियव्रत शर्मा |
| 13. आयुर्वेद का प्रामाणिक इतिहास | — | भगवत राम गुप्त कृष्णदास अकादमी, वाराणसी |
| 14. भारतीय ज्योतिष | — | डॉ. नेमीचंद शास्त्री, भारतीय ज्ञानपीठ, वाराणसी |
| 15. भारतीय ज्योतिष | — | शंकर बालकृष्ण दीक्षित हिन्दी अनुवाद शिवनाथ झारखण्डी,
हिन्दी समिति, लखनऊ उ.प्र. |
| 16. ज्योतिष विज्ञान निर्झरी | — | प्रका. राज. संस्कृत अकादमी, जयपुर |
| 17. सुगम ज्योतिष प्रवेशिका | — | गोपेश कुमार ओझा |
| 18. भारतीय वास्तु (वर्तमान संदर्भ में सम्पूर्ण परीशीलन) | — | ले.प्रो. शुकदेव चतुर्वेदी श्रीलाल बहादुर
शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठ, दिल्ली |
| 19. वास्तुशास्त्र प्रबोधिनी | — | सीताराम शर्मा, राज ज्योतिष परिषद् एवं शोध संस्थान जयपुर |
| 20. वास्तु रत्नाकर | — | प्र. गीताप्रेस गोरखपुर |